मौर्य वंश का संक्षिप्त परिचय

चन्द्रगुप्त मौर्य (323-298 ई० पूर्व) - संस्थापक, भारत का मुक्तिदाता

- प्रथम भारतीय साम्राज्य स्थापित, राजधानी - पाटलीपुत्र
- प्रधानमंत्री - कौटिल्य / चाणक्य / विष्णुगुप्त
- राजकीय चिन्ह - मयूर, राजकीय - भाषा-पालि
- प्रमुख शिक्षा केन्द्र - तक्षशिला।
- सर विलियम जोंस ने सेन्ड्रोकोटस की पहचान चन्द्रगुप्त मौर्य से की। एवं चन्द्रगुप्त की पहचान - जुनागढ़ अभिलेख से भी
- विवाह - हेलेना (सिकंदर की सेनापति सेल्यूकस की पुत्री)
- सेल्यूकस के राजदूत मेगास्थनीज, चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबारी जिसने इंडिका की रचना की।
- जीवन के अंतिम समय मे जैन मुनि भद्रबाहु से जैन दीक्षा ली एवं सल्लेखाना विधि द्वारा शरीर त्याग।

बिन्दुसार [298 ई०पूर्व से 272 ई०पूर्व तक] :-

- आजीवक सम्प्रदाय के अनुयायी थे।
- प्रधानमंत्री - चाणक्य (आरम्भ मे), → खल्लाटक (बाद मे)
- वायुपुराण मे भद्रसार एवं जैन ग्रंथ मे सिंहसेन कहा।
- सीरिया शासक एन्टीयोकस प्रथम ने - डायमेकस } राजदूत भेजा
  मिस्र शासक फिलाडेल्फस टॉलमी II - डायोनेसियस
- आजीवक सम्प्रदाय के पिंगलवत्स प्रसिद्ध ज्योतिष थे।

अशोक [272/73 - 232 BC] :-

- 261 BC मे कलिंग पर आक्रमण एवं व्यापक नर संहार ने अशोक को विचलित कर दिया, परिणामस्वरूप अशोक ने बौद्ध धर्म स्वीकार कर लिया।
- प्रथम शासक, जिसने अभिलेखों के माध्यम से प्रजा को संबोधित किया था
- 1837 ई० मे जेम्स प्रिंसेप द्वारा अभिलेख पढ़ने मे सफलता।
- मास्की, गुज्जर, नित्तुर और उदगोलम अभिलेख मे अशोक का नाम अशोक मिलता है।

कुणाल - धर्मविवर्धन की उपाधि
↓
दशरथ - आजीवक धर्म के उपासक
↓
सम्प्रति - जैन धर्म के उपासक एवं सल्लेखाना विधि द्वारा प्राण त्याग
↓
शालिशुक -
↓
देववर्मन
↓
शतधनवान ⟶ वृहद्रथ - अंतिम मौर्य शासक
(सेनापति पुष्यमित्र शुंग ने हत्या कर शुंग वंश की स्थापना)

Scanned with CamScanner

चाणक्य कौन थे :-

- चाणक्य का बचपन का नाम विष्णुगुप्त था। इसके पिताजी चणक थे। इसका उपनाम कौटिल्य था।
- चाणक्य को भारत का मैकियावेली भी कहा जाता है। जिसने लोकप्रशासन की प्रथम प्रमाणिक पुस्तक अर्थशास्त्र की रचना की थी।
- अर्थशास्त्र में मौर्य काल के राजनीतिक, एवं सामाजिक व आर्थिक विषयों पर विस्तृत वर्णन है।
- अर्थशास्त्र (जो 15 खण्डों में विभाजित है) के अनुसार मौर्य समाज सात अंगों। वर्गों में विभाजित है— राजा, आमात्य जनपद, दुर्ग, कोष, बल और मित्र।
- कौटिल्य के अनुसार राजा 'धर्मप्रवर्तक' (सामाजिक व्यवस्था) का संचालन होता है।

* अशोक ने सर्वप्रथम विश्व को जीओ और जीनो दो [Live and let others live] व राजनीतिक हिंसा धर्म विरुद्ध है। (Political violence is against Dharama) का पाठ पढ़ाया था।

विश्व का प्रथम सम्राट अशोक जिसने शास्त्र, त्याग व विदेश में बौद्ध धर्म का प्रचार किया।

भारत में शिलालेख का प्रचलन सर्वप्रथम भारतीय शासक अशोक के द्वारा किया गया।

* मौर्य साम्राज्य अपने 5 प्रांतों में प्रविभक्त थे, जिसका राजधानी इस प्रकार से है :-

उत्तरापथ - तक्षशिला	पश्चिम/अवंतिपथ - उज्जैन
दक्षिणापथ - स्वर्णगिरि	पूर्वी/मध्य प्रांत - पाटलीपुत्र
पूर्व/प्राच्यपथ - कलिंग	

* अशोक के धम्म :- कल्हण की राजतरंगिणी से पता चलता है कि वह सर्वप्रथम शैव धर्म का उपासक था। धम्म शब्द संस्कृत भाषा के 'धर्म का प्राकृत' रूपांतर है। धर्म को पाली भाषा में धम्म कहते है।

दूसरे एवं सातवें स्तम्भ लेखो में अशोक ने धम्म की व्याख्या इस प्रकार से की है - स्नायुता, बहुत से कल्याणकारी अच्छे कार्य करना, दूसरे के प्रति व्यवहार में मधुरता, दया, दान, तथा शुचिता आदि।

Scanned with CamScanner